श्रीगुरुभ्यो नमः पणमिणमंसिरिजिणपासअास पूरणजंगतारक वामाणरिहंसव
सरकागद्दनायक तासुतणउसंतानहुअ उगरुअउगुरुकेसो घतिबोध्यउजिणिद्दलिसबल
राजापरदसी तसुसरूपसंषेंपिहिव कहिस्पउंगुआक्षरिरायपासणीलाषियउ तनियचित्तिवि
चारि एककयद्दादसंमिनयरासयवियानामिइं तिदपरादसीरायहुअउ नास्तिकपरिणामिइं
जीवादवयुसुगतिउर्गतिनहुमानइ लाय मित्रंतसुचित्रनामि सारधिपरभनइ साबु
ब्बीनयरीगयउएराजाजितशिञुएसि वत क्षरकघयउ कसीगुरुउपदसि २गुरु
निमंत्रिकरि रजाकजाकासानियघरिआवा उ पऊताकेशिकुमारजाणिवनपलिवभा
व्यउ वंदियगुरूवीनवियबुधिबलिकारणजा णिय उरगपरीरकणमिसिइंराउतेडीयतिद्
आणिय धर्मकहंतासंतलिय मछरधरइअपार जमसूंडएकुणअलइनलहइका इविवा
र उ चित्रतणइसुणिस्वामिपासंतानीसुनिवर कहियइकेशिकुमारजीवतनुलाषइअ
वर इमसंतलितिहआविराउ पूछइअत्तिमाणइ तिदतणउमनसावभूगटकीधउमणनाण

केसी बावनी

ऽ चिन्तिवमकीचींतवणएहवञ्जरनएकोऽ श्रीऽसमागऽबऽसिचा ञ्जत्तमञ्जधम
नाहाऽ४ ञणऽकञ्जिपरादसिपमऽमीञ्जाणऽ मुनिनकदिऽसावद्यातणाऽम
ञ्जामृञ्जाणऽ बऽसीकरऽविचारजीवनी नास्तिवषाणऽ जिमन्नऽजगिजीवतेया
पाषंडीजाणऽऽमकल्पितजपऽबञ्ज ञ्ज मञ्जञ्जकघापऽजय जावनमऽ
मागुरुतणीकिमप्रतिबोधञ्जतेय न णऽराञ्जसंस्तनञ्ज्ञ मृलगवंतपिया
मऽ ऽणिनयरीरूपालञ्जतञ्जकृतसुञ्ज तिवल्लऽ नञ्जसऽदतञ्जजीवाताय्यञ्जमृ
कघनऽछर्यति पंञ्जतञ्जातजऽञ्जाविक ऽत तञ्जमानतञ्जमृमतितिणिमुफ ञ्जाग
लिनकल्पञ्ज ऽमऽकजीवशरीरजीवकायज्ञ्जानहीजमानऽतधीर ५ बाकशि
कऽऽनररायरायञ्जमृघरिमूरीकंता नामरगणिबऽघरणिनिछणागुणगणयति
कंता तिदमरिपरञ्जरिमाकाऽ लागवतञ्जादषऽ तिछ्नऽतंकरदरऽणाऽकिंवा
ऊवेषऽ तञ्जवलतञ्जराजातणएबञ्जविडंबदिषऽ घाणघकोतछ्कवंणमफ १

ॐ

मनऽमहाडि ञ्जमृनऽतंववेनवऽएकमञ्जरतमफमूंकञ्ज जईमजनमीषवञ्जणणि
क्रोधऽसुखञ्जकञ्ज ञ्जामृपऽणिमकरम्यञ्ज एदवीकरणीकाईऽमकवातल्हऽ
ऽणऽ नृपएमनाहाई ऽमदृष्टंतईचोरमऽएवदपितामदजाणि परमादम्मीवसिए
ञ्जञ्जआवीनसकऽघाणि ए एवंपमाळऽस ऽपएणिकारणिमननावऽ ऽणिपरिमञ्जपि
तामदीयञ्जमृधर्मनतावऽ तिञ्जंतीश्रावि काबारव्रतपूरांधरती सामाऽकंपडि
कमणापद्विञ्जणिापासदकरती ञ्जमृ रऽन्नाषाबलिऽएातपञ्जतीसुरलो
ऽ तिणिपणिआवीनविकल्पवंतसुम ञ्जसमञ्जनाकाऽ ए कदऽ काञ्जिपर
दञ्जिएदञ्ज्ञमाननकीजऽ गुरुञ्जपदेसि विमांसिसुऽमतिदियऽधीरीजऽ हा
णविलेपविलेषञ्जल्लमाटकपहिरवी धूपकमञ्जुयगंधसुफबञ्जरछिधारवी द
ञ्जलमादिऽपऽसतांएकोईतेड ऽञ्जमृ संवारऽवऽसनसुञ्जमिलवाञ्जावञ्जञ्जमृ
ए तिहांराञ्जञ्जमिजामकदञ्जञ्जमृआगलिसावञ्ज बालंऽएपदणएकतेहनऽवचनि

Digitized with financial assistance from the
Government of Maharashtra
on 11 June, 2017

केसीबा
वनी

नरवन तिमजाणनरगंधव्याश्रिनातपंचयजोयण जाश्दावनावतिअहवकपज
श्पनयण दिवमंअधमनाडरडन वजाश्सुमनिचिंतिश्ं आनपजश्नरतणन
आवीकिमनंकारश १० जश्पुणएलश्मत्यतनपणिहियडश्मकनावन चोरएका
नियहीनिवडवेश्णश्वेक्षव्यन मादनुंनी लहषिपीकीधत्रभुमित जोयनट
तकषोडिपावनदीवननजिश्चित चोरडी वकिमनीसस्चनकहनसफएहविवा
र कुत्रमिअगमिदाषव्यनहियजीवसं सारि ११ गुरुनाषश्पारदशिवारमु
श्तिघरनीतरि काश्वजावश्लरिसहत सुसुणियश्बाहिरि तकहश्किमनी
सस्चनातमनुम्हिजीवविचारन एहनीगति। आस्रवंलितलालितमतिचित्तिश्क्षरन जू
आजीवशिरीरगिणितबबोलश्लूपाल चोरएकतेश्आविआअन्नदिवसिएकाटवाल
१२ तविणामिअयकुंलिषिवीसुशिरघवाला पाषलिसूकपाबजलबारिकिरिदीक्षनाला
केतादिनअंतरश्तायकुंलीकाषडी सलसल तनिहदिहघणीईयलनीकाडी छिद्रराश्न २

कुदिठमईकिमतेआव्याजीव तहविनाकिममानियश्अवरअवरतडजीव १३ लणश्केत्रि
मलनिनरन्नानुम्हिलोहधमंतनु दिहनकेणश्कालिअराल मरिसनजलजलतन तिहकिमप
श्वनअगणिकहनरमकुयश्दषश्तिमजीवहपरवसबुम्हिजाणनश्णलेघन त्रमजाणीतिम
हहनजीवमआणनचंति लणश्रानआवनी एहनावसुफविचित्रिढाल श्री ब काश्नरुतरु
णनधनुधरि पंचबाणसमकाल मल्हश्जिमम मरघघई तिमजश्मूंकश्बाल १४ उसूव
चननमहहनं बिकुनाजीवसमाणकय वमईबलअंतरश्मअसूववनमा
ण १५ वनपईलणश्कत्रिसंनलिलूपाल जी वाहतिपमनणसिआलआधश्धनुषिपण
बआधली घोघाबाणमहनसांधिली १६ श्णिप रिकाईनमूंकश्बाण कांईनचालश्प्राणवि
नाण श्रानऊनपगरणप्रकारलणश्रानश्हएहविचार १७ तिमश्हनुणजाणिवनप्रमा
ण बिकुनाअबश्जीवसमाण एकजीणिकायाआंतरन डाहानश्नपडश्पांतरन १८
वलतनरानकहश्परादशिजश्श्मतनसंनलनननरेश्रा श्कतरुणबलवंतअपार को

केसीवा वनी३ वडिवजकुपाडइसार १ए गरढनतसारनवइकाइ बिजनीकाया३रीघाइतरु
णनगरढनजइसमसार वदतकीजइजीवविचार २ए कदइकेशिइदसंसयकि
सिउ इहकारणाजावनलइजिसनु ब्रुघुणिघाघाजूनीलाकडीजूनामीकांजूनी पि
डी २१ तिणितरुणनकाइनवदइसारेजू नाननइहांअलइविचार नवीपुराणीका।
याजाणि इहांजीवनीचांतिमआणि २२व लदतनरानवलीबालियनजीवतचोर
एकातालियनविनाबदहणितनाल्य राजाइ कणअधिकपुणकिसनन
होइ २३ कदनजीवदनंकिमसदहनं जीवतालजनविलदनु कशिकद
इनपवाइहिंकरीचर्मदीवडीवालीसरी२ इ अधिकोनंळीनजइतिहां लापत्रगुरुल
जजाणनइहां तिमाजावनमनिकरीविचार जीवमादिनजकाइसार २४ ताइनमान
इराजानणइ इकदिनिमसाअडंबरिघणइ घरीबइबीआणपनएक चोरदेषिजअ
नजीवविवेक २ए तासुसिरी[illegible]वीमइदिवक[illegible] ३

डचारिअइमवजलाखंभ २ए किंबकतिलमात्रनिकिइ जीववसुपुणकिहांनल
इ इणिअवसरिरीसाणाजेम गुरुयनणइबोलइछइकेम ढालपाखिलीज ३० मू
ढतणतनंपएमितनरबीजाणनं कवणातुछइनरसंसलिवरकाणनं किइपु
रुषवणकछिवनिइंजातइआएस्यनं इक नइरलोजनादृतिकाष्टलईआवेस्यनं क
रिसनंरोजनतिणितणिय अगणिकठघी ई अन्नपाणाकरिमूंकिजोतनरतहत्रिक
रइ ३१ कहिनदिछनअगणिाजाइको धनविजंरवंभिई चारिअठतहसोल
एमतिलतिलतिमरवंभि इंताइनादघइकि दियअगनितइमाणजातणावच्यनजंत्र
पारइमचिंतिनराणनबीजइआविघरीब वियअगनिसिछिमहोइ तहसरिसतनं
इहअलइमूरिषअवरजकाइ ३२ इमसंलिमनिखदराजधरतनसमकाव्यन वि
दपारषदनइन्यायविनयमारगिवलिआवयन नाषइहसिमछसछपरमारघजाणन
करतलिनिमआमलनेजीव तनुजआआणन तिणिअवसरिपवनइकरीकंपनतरुपे

केसीबा
वनी४

षेइ रानघतिकरी कदइएकहिकिमकें पेइ ३३ देवना गगंधव्वअदव किंनरकंपाव
इ लणइरानएदवानअवरमफमनिन झआवइएसरूपवसुवंदलेसरागादिकिस
हियनादषिसिइहनजरूपलूपिनझदेषनंकहियनइमअरूषपुग्यलरहियकिमादषा
मनंहव जीववसुलदमस्लझंदषइअरि हंतादव ३४ रानकदइलगवंतजीवझंघुन
इहछिअसरिसुगुरुइमकदहइपहइम जाणिमहछिय जइइमतनझंघुअनक
ममबलिहछिसमाणनकानकरइगुरु लणइदीवहिंहंतिवियाणन गुरुलझघा
नकिघापियइतिहतेतलनप्रकासजीव तणनपुणातिमगिणनजहोइतनिसंवास
३५ नरपतिसुस्तमनिलतनजीवगुरुवचने जाणपन अनिनवेसमविसझुलकमनन
मनिआणपन पितापितामहपुहपुघपरिसादपरंपर लोकहास्यमूंकतांहाइकिम
करुंमतंचरइणिअवसरिसुहगुरुलणएमापलितावियडेसि लोहनारवाहकतणीप
रिनिरतीमकएसि ३६ कहइकवणातकहनलोहवाहकमफआगलि कहेधननइक

धिवणिगवाल्पासाघिइमिलि जातांआगलिअडविमाहिदषीलोहागरमकनिसीमवं
धेविवलियपऊतादसंतरि त्रघुदषीघणलालगिणिहंमिलोहल्पइतय एकनमूंकइ
लोहलर मइहढबंध्यनएय ३७ त्रंबरूपासावन्नरयणवइगागरादषीआगतिज्ञएतां।
लिचमतपमतनजनावषी लनादवणिकइम कहइएहमूंषजाणिजाइ वलिलेईमल्हिति
अवरनवनवकिमलिजाइ दजलीधत्रमूं कंनदियइमघरिआव्यनहीणं पाबइप
बितावइपछनदीणषीणमतिदीण ३८ बीजावुद्विनिघानचमतपमतव्यापारिइं।
ऊमतिबोमिधनकोडिलेईआव्याआगार ई जिमतेहुआसुखीतमनुस्थिहंडीकुयह
।आहरिदरसणजेनकरनअक्षयसुखसं यहप्रतिबुहनअकतसंलियपमिवजी
वतबार घरिजातांतइलियनगुरुआयरियविचार ३९ कहइत्रणिआयरियइहां
परलविनपगारय ज्ञाल्पकलाधर्माधिकारिजाणिजेपाविचारियकवणरतसुविनयते
यपणिनिरतनलाघ्यन इमजाणंतइंकाईअम्हअविनयमनिराघ्यन लगवनबकुअवि

केसीबा
वनी५

नयकल्यनम इउसृतिणिआवसु सुपसातिपरिवारिसनंवंदीगुरुपामेसु ४० गुरुनऊ
बोल्पा किं पिरान नियघरिसंपन्नउ चउरंगदलामलविसयलअंतेउ रिजुन्नउ बीजइदि
निआवेविसुगुरुवंदेवाकारणि धर्मकघासंनलियपमतनवाजलनिधितारणिवंदीपामी
ऊवताकेशिकहइपरादशिपहलउंरूरूपा मयगपढइतउंमदबेत्रि ४१ करुणाकरिते
केमकहउलगवनअमृऊपरि नदमालेव नरवंडइरुकुखलवामतणीपरि तपदिला
रमणियपलइनऊंतेदवादीसइ जिमपदि लउंतिमपलइधर्मदढकरिसुजगीसइ इ
मसंनलिरूपतिसणइमातमदमबइगामा तहिवविकुंसागिइंकरिसुपहिलउंनि धि
नउवाम ४२ बीजउबलवादणइत्रीयअंतेयु रिवाविसु चउघइसागइंदानशालसुविशाल
कराविसुजिदऊत्रियजणदाणआंणिअणुकंपादस्पउ पोसदपसुहावतविशेमवेमपलारस्प
उं टालिवंत इमघरतणियनियवयचमतइसाइ पदलउपलइसलियपरिपालिमुऊमृ
पसाइ चउपई ४३ व्रतपालंतामूरीकंतराणीनाणी विरतउ कंतअनदि वसमनि चिंतइ

इसिंउइणिराजादिवकरिवुंकिस्युं ४४ धर्मगदलघयउअविचार राजतणीनकरइ।
कणवारअमृसदतनऊंवलइलोग लोगविघनइदनउसंयाग ४५ निश्चइसगपणस्वारघ
लगइअदामादाजावउकिमवगइ तडीकुमरकदइतवान विकलघयनवछपतहतात ४६
एविणामिपालउनहिराजसारउअमनवंछि तकाजऊमरनबोल्पउऊतोगयउराणीउमन
नविलषउपूयउ ४७ मंत्रतेदिसुफऊस्पइ विणास वदलउडउएगलयासअन्नपानव
स्त्रालंकारविषवास्पाबऊसागघतार ४८ राजातणिकूडमनिधरइसोजनस्तगतिवि
त्राषिइंकरउजिमतांजाणीविसपरिणम्पउ सुरुध्यानअाणीमनिषमनधियुधियुएसंसार
असार किदनउकोइनहीपरिवार स्वारधि यनसऊकाईअलइविदडधर्मनविदडपलइ
४९ इम्पउजाणिअणसणाआदरी पाववाणसऊयइपरिहरी सूरियान्तपामियउ विमाणपा
हिलइकलपइंपदनउवाण ५० सतउवायामजउपपात तिदउपन्नउविश्वविख्यात अनम
रुरतिपूरउदहमुणिकरमाणिघ्यउगुणागद ५१ ऊवीस जिइंबइवन्नघइ वितिचिंतवइद

केसीबा
वनीद

वगतिलही मुफनइपदलनंकरिवनंकिस्यन पबइकिसनतिविमसइसिनं ५२ किंमुफप।
दिलनंपबइश्रेयहितसुखनिश्रेयसलइजेया।तमुफपदिलनंपलइऊस्यइ मनंसुनमुफइ
तिइआविस्यइ पन इणिअवसरिमामानिक दवव्यासहमकंरतातमुसवविंतितजाणीआवी
तिहां विनयवचनबोलइपसुइहां ५४ उम्हवि माणिसासयप्रासाद नितजिहउंउसिगीतनइ
नादजिनपतिमाअडदियंसतएक तिहांअ लइजाणउननुहिलिक ५५ वलिस्वामिसाद
समिसतासतामाहिजसुमाटीपसामाण वकनामिइंचेइयंसमकितनचूतणउ
अदवंस पइ कंवामणिमइलइडूंटिलाम णिमयसंकितिहकूंपिलाजिनसकहाषेपी।
लइतिहामेऊणनासवइसुरवरजिहां वंद्य डूज्यजिमणमितिजाणिगनिआणंउसतकारस
माणिसुविपन्नाकहिवउंएह पहिलनंपबइएहजलइश्रेय ५७ सुखनिश्रयसतणउनियाण
।हितअणुगामिइहजबइवाण इमसंसलिहियउइगहगत्यन समकितपरिमलबऊमहमह्य
उ५८ इंइताणउरूयनअतिषिक पुस्तकवाची धर्मविवकपामीचित्तिप्रामादनमाइजि ६

नपतिमापूजइबऊनाइ ५७। मतरेहदकीधातहनाविमरमूलमूत्रिएहनाऊसाअठोतरमउ
घुतिकरइबइमीधुतिमंगलऊचरइ ६० दंसणनाणचरणीनउलाह अंतक्रियानउतिहउच्चा
हउत्तरफयणिइगुणत्रीसमउ एफलउत्तममनिवीसमउ वियवंदणिइमअंगिउवंगिजाणीक
रिवउमुननइरंगि घणासावइजाइकवार ए ऊ५करणीवारवार ६१ इणिविमाणिलदिअ
धिपतिजागासागवइसुरसंबंधीसोगइणि अवसरिआयाश्रीवीरआमलकप्पाउरिगि
रिधीर ६२ नाणिजाणिबऊनच्चवकरी आ व्यउअधिकसगतिचिंतिधरी वंदनपमुख
वचननद्या स्वामी निखद्यावसंयद्या ६३बि ऊंउपरिबोल्पउविधवाएह विषइममकर
उपमाद एहुराणकर्त्तव्यविचारि करिवआ वरणावितिधरि ६४ आवखीअहअनुम
तिइहांप्रभुनइसावद्यऊइकिहांवंदीप्रभुदसणसंतलइ तहतिकमिथ्यामतटलइ ६५
मिथ्यातीवाममकितधार ऊलदमुलदबोहीसंसार बऊअघ वाघाडउमुफतणउ विरा
धकाराधातसुणउ अवरिमचरिमकऊंकहवउ इमइलइपभुछउजेहवउ तपप्रसाद

Digitized with financial assistance from the
Government of Maharashtra
on 11 June, 2017

केसीबा
वनी७

करिमकनकदंड वीरसणइबीजउपदनदउ ६६ मुणिदरषितएउतावकसणी पू
लइसगतिइपसुक्मूतणी णायमपसुदश्रमणमंडली आगलिनाचउनिजमनिरली ६७
नाआढइपरियाणइनदी परिणामकमतिनिरतउंलदीजगनाघजगतउंआचरइसगतउ
सगतिविशाषइंकरइ ६८ नाटककरिपंज नउसुरालाइ गौतमइलइपंजलिदाइ पसु
परदश्रिपुव्वसवक्कखउ वीरवचनिनेग णधरियखउ आकुतासुपाल्यापमच्याशि।
तिहांघकीसुविदहमझारिपामीवउरं गइरयणाणबीजइसविलदम्पइनिखा
ण ६९ केसीगुरुनउपदअवदात मा टउमहीमंडलविख्यातसणनामुणतांऊइ
आणंदकराजाडीपसणइश्रीपासचंद इति कशिप्रादशिप्रबंधसमाप्त॥ ॥श्रीः॥ ॥ ॥

७